इस प्रश्न–पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Sl. No.

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं.
63/OS/1

Set /सेट **C**

HINDI

हिन्दी

(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ______________________
2. ______________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।
2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना हैं ।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा ।
5. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा ।
6. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **63/OS/1,** सेट-C लिखें ।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश: (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं ।

---

1. निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए – **[5]**

जिनकी सेवाएँ अतुलनीय,

पर विज्ञापन से रहे दूर,

प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके,

कर दिए मनोरथ चूर–चूर!

अथवा

खैर, खून, खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति मदपान ।

रहिमन दाबै ना दबै, जानत सकल जहान ।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-25 शब्दों में लिखिए – **[3 × 2 = 6]**

क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में किसी प्राकृतिक दृश्य को अपने शब्दो में चित्रित कीजिए ।

ख) 'इसे जगाओ' कविता के आधार पर सपने देखना और सपनों में खोना में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर बताइए कि पेड़ क्या सपने देखते हैं?

घ) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में कवि को क्यों लगता है कि सब को जाग जाना चाहिए?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [5 × 1 = 5]

क) कबीर के अनुसार 'सयानो काम' का अर्थ है –

(A) मूर्खता से भरा काम (B) समझदारी का काम

(C) फायदे का सौदा (D) स्वार्थ से भरा फैसला

ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में मौन समाधि लिए कौन बैठा है?

(A) मनुष्य (B) पेड़

(C) पहाड़ (D) पानी

ग) 'आह्वान' कविता मूल रूप से इस पुस्तक से ली गई है –

(A) भारत–भारती (B) कामायनी

(C) पंचवटी (D) साकेत

घ) 'इसे जगाओ' कविता में कवि ने मनुष्य को क्या बने रहने का संदेश दिया है?

(A) आलसी (B) मस्त

(C) स्वार्थी (D) जागरूक

ङ) आज़ादी को जीवित रखने के लिए परम आवश्यक है –

(A) साहस (B) श्रम

(C) कर्महीनता (D) मनमर्ज़ी

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए – [3]

'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में कवयित्री ने 'पिछवाड़े' शब्द का प्रयोग किस विशेष उद्देश्य से किया है? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कबीर के अनुसार निंदक को अपने पास रखने से आत्मबोध जैसे जीवन कौशल को उभारा जा सकता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 15-20 शब्दों में लिखिए – [6 × 1 = 6]

क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर बताइए कि कवि को चने को देखकर क्या लगा?

ख) 'प्रकृति की गतिविधियाँ अटल हैं–' बीती विभावरी री जाग री कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ग) 'उनको प्रणाम' कविता के कवि और समाज की सोच में क्या अंतर है?

घ) आह्वान कविता में कवि ने देशवासियों का उद्‌बोधन करते हुए क्या उदाहरण दिया है?

ङ) अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी विद्वान हो जाता है – कवि वृंद ने इसे कैसे स्पष्ट किया है?

च) 'आज़ादी' का अर्थ आपके विचार में क्या हो सकता है? स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 15-20 शब्दों में दीजिए – [7 × 1 = 7]

क) विचारात्मक निबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए।

ख) एक बूढ़े व्यक्ति ने मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा प्रश्न का क्या जवाब दिया? 'नाखून क्यो बढ़ते हैं' पाठ के आधार पर बताइए।

ग) 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए।

घ) गिल्लू को देखकर सब विस्मित क्यों होने लगे?

ङ) प्राचीन काल में भारतीय नारियों की क्या दशा थी? भारत की कुछ बहादुर बेटियों के नामों का उल्लेख कीजिए।

च) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के माध्यम से प्रेमचंद क्या संदेश देना चाहते हैं?

छ) कविता गद्‌य के समान क्यों नहीं पढ़ी जा सकती?

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 20-20 शब्दों में लिखिए – [4 × 2 = 8]

क) बहादुर के चले जाने पर किन्हें अपनी गलतियों का अहसास सबसे अधिक होता है और क्यों?

ख) आपके अनुसार गिल्लू को लेखिका ने क्यों अपवाद बताया है?

ग) लेखक राबर्ट नर्सिंग होम में क्यों गया? वह जाना उनके लिए यादगार क्यों बन गया?

घ) आज के समय में सार लेखन की क्या उपयोगिता है?

ङ) जीवाणुओं से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए? अपना – पराया पाठ के आधार पर समझाइए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए – [3 × 3 = 9]

क) भारतेंदु ने 'अंधेर नगरी' नाटक के माध्यम से अपने समय की शासन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए ।

ख) लेखक ने राजकुमार को सुखी राजकुमार क्यों कहा? प्रतिमा बनने के बाद राजकुमार के व्यक्तित्व में क्या अंतर आया? और क्यों?

ग) क्या बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे को सार्थक करने में भारत की ये बहादुर बेटियाँ फ़ीचर किस प्रकार योगदान दे सकता है? अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

घ) पत्र–लेखन को कला क्यों कहा जाता है? आपके विचार में पत्र की क्या विशेषता होती है?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [6 × 1 = 6]

क) मोहल्ले की किसी औरत की कौन–सी बात निर्मला को जँच गई?

(A) बहादुर से कम काम करवाए । (B) बहादुर से अपनी रोटी खुद बना लेने को कहे ।

(C) बहादुर को नए–नए कपड़े ला कर दे । (D) बहादुर को दूसरे घरों में भी काम करने दे ।

ख) 'रॉबर्ट नर्सिंग होम में' के आधार पर बताइए कि सुखी मानवता के लिए किनका योगदान अविस्मरणीय है?–

(A) मित्रों का (B) महिलाओं का

(C) बच्चों का (D) अभिभावकों का

ग) 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार हमें श्रेष्ठ मनुष्य कौन बनाता है?

(A) बाह्य सौंदर्य (B) धन–दौलत

(C) अहंकार (D) आंतरिक सौंदर्य

घ) 'अखबार की दुनिया' पाठ के आधार पर बताइए कि समाचारों की छँटनी कौन करता है?

(A) संवाद दाता (B) जनता

(C) प्रमुख संवाददाता (D) नेता

ङ) 'अपना–पराया' पाठ के अनुसार हम रोगाणुओं के विष को किसके माध्यम से शरीर में पहुँचा सकते हैं –

(A) टीकों के माध्यम से (B) खून से

(C) विटामिन खाकर (D) पानी से

च) औपचारिक पत्रों की विशेषता होती है –

(A) अंतरंगता (B) संक्षिप्तता

(C) विस्तृत विवरण (D) संवेदनशीलता

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **[1 + 2 + 2 = 5]**

इधर देश की राजनीतिक दशा भयंकर होती जा रही थी कंपनी की फौज़े लखनऊ की तरफ बढ़ी चली आती थी। शहर में हलचल मची हुई थी। लोग बाल–बच्चों को लेकर देहातों में भाग रहे थे। पर हमारे दोनों खिलाड़ियों को इसकी ज़रा भी फिक्र न थी। वे घर से आते, तो गलियों में होकर। डर था कि कहीं किसी बादशाही मुलाजिम की निगाह न पड़ जाए, जो बेकार में पकड़े जाएँ। हज़ारों रुपये सालाना की जागीर मुफ़्त ही हजम करना चाहते थे।

क) यह गद्यांश किस पाठ से है? इसके लेखक कौन हैं?

ख) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए।

ग) देश की राजनीतिक दशा कैसी थी? ऐसे में दोनों खिलाड़ियों की कर्त्तव्यहीनता आपको क्या सोचने पर मजबूर करती हैं?

अथवा

मेरा मन पूछता है – किस ओर? मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है? पशुता की ओर या मनुष्यता की ओर? अस्त्र बढ़ाने की ओर या अस्त्र काटने की ओर? मेरी निर्बोध बालिका ने मानो मनुष्य – जाति से ही प्रश्न किया है – जानते हो, नाखून क्यों बढ़ते हैं? यह हमारी पशुता के अवशेष हैं। मैं भी पूछता हूँ– जानते हो, ये अस्त्र–शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं? ये हमारी पशुता की निशानी है। भारतीय भाषाओं में प्राय: ही अंग्रेज़ी के 'इन्डिपेन्डेन्स' शब्द का समानार्थक शब्द नहीं व्यवहृत होता। 15 आगस्त को जब अंग्रेजी भाषा के पत्र इन्डिपेन्डेन्स की घोषणा कर रहे थे, देशी भाषा के पत्र स्वाधीनता दिवस की चर्चा कर रहे थे।

क) यह गद्यांश किस पाठ से है? इसके लेखक कौन हैं?

ख) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा–शैली पर टिप्पणी लिखिए।

ग) लेखक के अनुसार मनुष्य किस ओर जा रहा है?

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **[5 × 1 = 5]**

संस्कृति एक प्रकार की संस्कारात्मक परिणति है। संस्कृति का संबंध संस्कार से हैं। यहाँ संस्कार का अर्थ मनुष्य की मानसिक शिक्षा, परिष्कार और बुद्धिमत्ता से है जो सतत विकास की ओर अग्रसर रहती है। समुदायों, जातियों, संप्रदायों, मतों के बीच आपसी आदान–प्रदान से संस्कार और संस्कृति का निर्माण होता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो सतत गतिशील है और जिसमें निरंतर परिवर्तन होता रहता है। भारतीय संस्कृति की मूल धारा एक रही है। इस धारा से जाति, धर्म, समुदाय व्यक्ति समय–समय पर प्रभावित होते हैं। और इसे प्रभावित भी करते रहे हैं। भारतीय संस्कृति का प्रसार भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर भी हुआ है। इस संस्कृति ने बाहर से आने वाली परंपराओं और प्रवृत्तियों को भी आत्मसात् किया है। भारतीय संस्कृति की मुख्य धारा किसी भी सांस्कृतिक धारा को छोटा नहीं समझती, न ही किसी धारा को नज़र अंदाज कर आगे बढ़ जाती है। सत्य की खोज भारतीय संस्कृति का निरंतर चलने वाला प्रयास रहा है। ग्रहण करना इस संस्कृति की विशेषता रही है।

क) संस्कृति के संदर्भ में संस्कार का क्या आशय है?

ख) संस्कार और संस्कृति का निर्माण कैसे होता है?

ग) भारतीय संस्कृति की धारा किस–किस से प्रभावित हुई है?

घ) ग्रहण करना भारतीय संस्कृति की विशेषता कैसे है?

ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – [5 × 1 = 5]

कश्मीरी केसर क्यारी,
कुम्हलाए नहीं ।
हिमगिरि के हिम में,
आग कहीं लग जाए नहीं ।
अब लक्ष – लक्ष भुज,
कोटि–कोटि भुज होने दो ।
लो उठो वितस्ता,
पर कुर्बानी बोने दो ।
संग–संग डोले,
भूदान पथी, बलिदान पथी
चढ़ जाय धरा से, सूर्य किरण पर रागरथी ।
मरने का मूल्य न जीना,
आज बिगाड़ सके ।
प्रत्येक सिंह,
अपनी दस दिशा दहाड़ सके ।

क) हिमगिरि के हिम में आग लगने से कवि का क्या आशय है?

ख) 'कश्मीरी केसर क्यारी कुम्हलाए नहीं' कथन का क्या भाव है?

ग) 'भूदान पथी' और 'बलिदान पथी' से कवि क्या कहना चाहता हैं?

घ) काव्यांश की आखिरी पंक्तियों से आप क्या समझते हैं?

ङ) अलंकार का नाम लिखिए –
'प्रत्येक सिंह अपनी दश दिशा दहाड़ सके'

13. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – [5]

ईश्वर ने मनुष्य को सब कुछ प्रदान किया है किंतु उसे आवरण में छिपाकर रख दिया । वह सब उसे कैसे प्राप्त हुआ–पुरुषार्थ के बल पर । अन्यथा सीप में मोती छिपे रह जाते, धरती के भीतर रत्न दबे रह जाते । न फसल उगती, न धरती सोना उगलती । भाग्यवादी तो केवल बैठा–बैठा मुँह ताका करता है। आलसी और निष्क्रिय होकर दैव–दैव पुकारता रहता है, जबकि पुरुषार्थी अपने कार्य के बल पर बड़े–बड़े संकटों पर विजय प्राप्त लेता है। अगर भाग्य कुछ होता भी है तो भी उससे मिलने वाले फल के लिए भी तो कार्य करना पड़ता है। शक्तिशाली एवं समर्थ सिंह को भी अपना शिकार पाने के लिए कर्म करना ही पड़ता है। पुरुषार्थी एवं उद्‌यमी व्यक्ति अपने कर्म के बल पर भाग्य को भी बदल देने की क्षमता रखते हैं। विश्व की समस्त उन्नति एवं प्रगति का आधार मनुष्य का पुरुषार्थ ही है, भाग्य नहीं ।

14. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – **[10 × 1 = 10]**

क) समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए –
क्रीड़ा के लिए क्षेत्र अथवा प्रत्येक घर

ख) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए –
वार्ता + आलाप, यथा + इष्ट

ग) उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए –
संभव और प्रसिद्ध

घ) 'त्व' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए ।

ङ) सरल वाक्य में बदलिए –
अध्यापक चाहते हैं कि उनके शिष्य अच्छे बने ।

च) रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए ।
रात हुई और आकाश में तारों का मेला लग गया ।

छ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –
i) बच्चों के लिए उपयोगी
ii) बिना सोचे – समझे किया गया विश्वास

ज) दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –
झंडा अथवा राजा

झ) किसी एक मुहावरे का वाक्य प्रयोग कीजिए –
अपना उल्लू सीधा करना अथवा छक्के छुड़ाना

ञ) वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए –
वह हँसी से बात टाल गया है।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए – **[10]**

क) विद्यार्थियों में बढ़ता आक्रोश
ख) हमारे राष्ट्रीय त्योहार
ग) लड़का–लड़की एक समान
घ) तनावों से घिरा महानगरों का जीवन

16. विदेशी मित्र / साथी को पत्र लिखिए और उसमें अपने देश की विशेषताओं का वर्णन करते हुए उसे यहाँ घूमने आने का निमंत्रण दीजिए । **[5]**

अथवा

खेल का सामान बेचने वाली कंपनी स्पोर्ट्स इंटरनेशनल से आपने जो सामान मँगाया था, वह घटिया स्तर का और महँगा भेजा गया । कंपनी के प्रबंधक को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए ।